पेरू में 4,000 वर्ष पुराना मंदिर

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

पुरातत्त्वविदों के एक दल ने प्रशांत महासागर के पास उत्तरी पेरू के **लाम्बायेक क्षेत्र** के जाना नामक स्थान पर रेत के टीले में दबे **4,000 वर्ष पुराने एक अनुष्ठानिक मंदिर** का पता लगाया है, जिसमें कंकाल के अवशेष मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि यह प्राचीन धार्मिक अनुष्ठानों के लिये चढ़ावा चढ़ाया जाता था।

- **बहुमंज़िला इमारत के भीतर तीन वयस्कों के कंकाल मिले**। अवशेषों में से एक के साथ प्रसाद भी रखा हुआ था और संभवतः उसे लिनन या कपड़े में लपेटा गया था।
- एक मंदिर की दीवार पर एक उच्च-उभरा चित्र एक पौराणिक आकृति को दर्शाता है, जिसमें मानव शरीर और पक्षी का सिर है, जो कि **पूर्व-हिस्पैनिक चाविन संस्कृति** से पहले का है।
    - **चाविन सभ्यता** 900-250 ईसा पूर्व के बीच पेरू के उत्तरी **एंडियन हाइलैंड्स** में विकसित हुई थी। यह **मोस्ना घाटी** में स्थित थी, जहाँ मोस्ना और हुआचेसा नदियाँ मिलती हैं। यह अब यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल (चाविन डी हुआंतार) है।
- **निकटवर्ती उत्खनन से मोचे संस्कृति** से संबंधित एक अन्य मंदिर का पता चला, जो लगभग 1,400 वर्ष पुराना है।
    - **मोचे संस्कृति**, जिसे **मोचिका संस्कृति** के नाम से भी जाना जाता है, पेरू के उत्तरी तट पर लगभग **100 ई. से 800 ई. के बीच** फली-फूली। पेरू के शुष्क उत्तरी तट के साथ नदी घाटियों में फली-फूली।
- **उत्तरी पेरू पवित्र शहर कैरल (5,000 वर्ष पुराना)** जैसे प्राचीन समारोह परिसरों के लिये जाना जाता है।
    - पेरू का सबसे प्रमुख पुरातात्त्विक स्थल **इंका सिटाडेल माचू पिच्चू (Incan citadel Machu Picchu)** है, जिसका निर्माण 15वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था।

//

और पढ़ें: प्राचीन माया शहर की खोज

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/4,000-year-old-temple-in-peru